मुख्यमंत्री जी

सादर नमस्ते,

मैं के० जी० बी० वि० करछना, इलाहाबाद की कक्षा (8) की छात्रा हूँ। स्कूल के तरफ से मुझे आपको पत्र लिखकर बाल विवाह कैसे रोकना है, इसका मौका मिला है। मैं आपसे यह बताना चाहती हूँ कि हम लोगों के गाँव में अभी भी छोटी उम्र में लड़कियों की शादी कर दी जाती है। मुझे लगता है कि गाँव में अगर सबके पास काम और नौकरी हो जाए तो उन्हें हम लड़कियों की शादी करने की जल्दी नहीं होगी आपसे यही विनती है कि कोई ऐसा रोजगार निकाले जिससे हमारे माँ बाप भी पैसे वाले हो जाएं और उन्हें दहेज देने लेने की चिन्ता ही न रह जाए। ताकि हम लड़कियों को भी बीच में पढ़ाई नहीं छोड़ना पड़ेगा। और अपने सपनों को हम भी पूरा कर पाएंगी। इस उम्मीद के साथ आपको धन्यवाद दे रही हूँ कि आप हमारी ~~का~~ यह माँग जरूर पूरा करेंगे।

नाम = महिमा
कक्षा = आठ
विद्यालय = के० जी० बी०
वि० करछना इला०